Media Release

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान ने कॉरपोरेट्स के साथ की साझेदारी, 3000 दिव्यांगों को सशक्त बनाने और उनके लिए आजीविका के अवसर सुरक्षित करने की दिशा में एक अहम कदम

मुंबई, **7** दिसंबर, **2023-** भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) ने भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) के सहयोग से कॉरपोरेट्स के लिए एक बैठक का आयोजन किया। इस बैठक का आयोजन सीएसआर कार्यों के तहत दिव्यांग लोगों (पीडब्ल्यूडी) के लिए 'सपोर्ट, एक्टिवेट एंड बिल्ड एश्योर्ड लाइवलीहुड्स (सबल – एसएबीएएल)' का निर्माण करने के लिहाज से किया गया था।

राष्ट्रीय दिव्यांग वित्त और विकास निगम, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार के महाप्रबंधक डॉ. विनीत राणा, एसबीआई फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री जगन्नाथ साहू, महाराष्ट्र लघु उद्योग विकास निगम लिमिटेड, मुंबई प्रबंध निदेशक श्री राजेंद्र निंबालकर, आईएएस, आईडीबीआई बैंक लिमिटेड के सीजीएम श्री सौम्य चौधरी, ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला, ईडीआईआई में परियोजना विभाग (कॉरपोरेट) के निदेशक डॉ. रमन गुजराल और डीई पीडब्ल्यूडी के वरिष्ठ अधिकारी और प्रमुख कॉरपोरेट संस्थाओं के सीएसआर अधिकारियों ने इस अभूतपूर्व बैठक में भाग लिया। इस बैठक में दिव्यांग लोगों की समस्याओं के प्रति समाज को संवेदनशील बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही, **3,000** नए पीडब्ल्यूडी उद्यमों की स्थापना सुनिश्चित करने की दिशा में और जरूरी कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। इनमें **1,500** उद्यम टैक्नोलॉजी-संचालित और **1,500** सामान्य उद्यम होंगे।

इस निर्णायक बैठक में सरकार, कॉरपोरेट्स और संस्थानों के बीच प्रभावी तालमेल के माध्यम से दिव्यांगजनों के लिए एक बेहतर दुनिया बनाने पर विचार-मंथन किया गया। चर्चाएँ स्थायी उद्यम निर्माण के माध्यम से दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने के विशिष्ट उद्देश्यों के इर्द-गिर्द घूमती रहीं। साथ ही, समाज में उनके पूर्ण समावेश को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण, उनके अनुकूल माहौल बनाने और उनकी सुरक्षा और अन्य सुविधाओं के संदर्भ में भी चर्चा की गई। इसके अलावा, दिव्यांग लोगों के लिए बेहतर कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपाय करने और उनके लिए व्यावसायिक अवसर तैयार करने पर भी गहन विचार किया गया, ताकि दिव्यांगजन अपना उद्यम स्थापित करने के लिए पहल कर सकें। इस तरह दिव्यांगों के हितों को सतत विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ते हुए उनके लिए समाज में पेशेवर अलगाव को दूर करने पर भी चर्चा की गई। इस अलगाव के कारण ही अक्सर दिव्यांगों को कम वेतन वाली नौकरियों में धकेल दिया जाता है।

चर्चाओं और निष्कर्षों के आधार पर, भाग लेने वाले कॉरपोरेट्स ने सहयोग के कुछ प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान की। दिव्यांगों के नेतृत्व वाले **3000** उद्यमों का निर्माण करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पहचानी गई कुछ गतिविधियों में शामिल हैं- दिव्यांगों के सामुदायिक एकीकरण को सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता अभियान; दिव्यांग किशोरों के लिए गहन जीवन कौशल; दिव्यांगजनों के लिए व्यावसायिक अवसरों का पता लगाना; दिव्यांगजनों के लिए संवेदीकरण कार्यशालाएँ; क्रेडिट लिंकेज सपोर्ट;

बेरोजगार दिव्यांगों को अपना व्यवसाय स्थापित करने में सक्षम बनाने के लिए दिव्यांग-आधारित उद्यमों और सूक्ष्म कौशल उद्यमिता विकास कार्यक्रम (एमएसडीपी) का समर्थन करने के लिए उद्यम विकास-सह-परामर्श कार्यक्रम (ईजीसीपी), इत्यादि।

डॉ. विनीत राणा ने दिव्यांग जनों को सशक्त बनाने में एनएचएफडीसी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा, "एनएचएफडीसी के माध्यम से, हमारा लक्ष्य ईडीआईआई और कॉरपोरेट भागीदारों के सहयोग से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए स्थायी आजीविका को सुनिश्चित करना है। इस तरह हम उनके वित्तीय विकास को सुविधाजनक बना सकते हैं।"

श्री जगन्नाथ साहू ने ईडीआईआई के साथ एसबीआई फाउंडेशन के सहयोगात्मक प्रयासों पर प्रकाश डाला और कहा, "ईडीआईआई के साथ साझेदारी में एसबीआई फाउंडेशन 'सपोर्ट, एक्टिवेट एंड बिल्ड एश्योर्ड लाइवलीहुड्स (सबल - एसएबीएएल)' कार्यक्रम के माध्यम से दिव्यांग लोगों के लिए आशाजनक आजीविका के अवसर पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है।" श्री साहू ने दिव्यांगजनों के लिए समानता और नई संभावनाओं के महत्व पर भी जोर दिया।

श्री सौम्य चौधरी ने आईडीबीआई बैंक की सीएसआर विंग की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा, "अपनी सीएसआर पहल के हिस्से के रूप में आईडीबीआई बैंक एक समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। इसके तहत लोगांे को दिव्यांग जनों के बारे में संवेदनशील बनाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही, क्रेडिट लिंकेज को भी सपोर्ट किया जा रहा है, और एक ऐसा माहौल बनाने का प्रयास है, जहां समाज के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को कई अवसर मिलते हैं और सब मिलकर आगे बढ़ते हैं और समृद्धि हासिल करते हैं।"

दिव्यांगजनों के कौशल और रोजगार के लिए नए लॉन्च किए गए डीईपीडब्ल्यूडी पीएम दक्ष पोर्टल की विशेषताओं को समझाते हुए एक वीडियो दिखाया गया।

डॉ. सुनील शुक्ला ने कहा, "बेहतर परिणाम देने के लिए विकास प्रक्रिया को लेकर हमारा विजन भी समावेशी होना चाहिए। समावेशी विकास समानता और सामाजिक विकास पर ध्यान केंद्रित करता है, जो किसी भी समाज के लिए महत्वपूर्ण है। और इस संदर्भ में, दिव्यांगजनों के लिए विकास के अवसरों की आवश्यकताओं को उच्च प्राथमिकता देने की जरूरत है। हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि दिव्यांग व्यक्तियों को उचित रूप से प्रशिक्षण और सहायता मिले। साथ ही, समानता और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए कार्यस्थलों और सामाजिक ढांचे के विभिन्न स्तरों पर बेहतर उपायों को अपनाना भी महत्वपूर्ण है।"

डॉ. रमन गुजराल ने दिव्यांगों को सशक्त बनाने के लिए कॉरपोरेट्स द्वारा शुरू की गई विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा करते हुए कहा कि ईडीआईआई ने अब तक **272** कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से **8,653** दिव्यांग जनों को प्रशिक्षण दिया है, जिससे **1,247** उद्यमों की स्थापना हुई है। ईडीआईआई में दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र (सीईडीए) है, जो सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, सामाजिक रक्षा निदेशालय, गुजरात राज्य दिव्यांग वित्त एवं विकास निगम, गुजरात सरकार द्वारा समर्थित है।

सम्मेलन कक्ष में उपस्थित अधिकारियों और कॉरपोरेट दुनिया के अग्रणी लोगों के बीच एक विचार-मंथन सत्र आयोजित किया गया। एक घंटे तक चली इस चर्चा में पहुंच, सहायता और सहायक उपकरण,

दिव्यांगजनों के लिए एआई, जॉब मैपिंग, उद्यमिता के अवसर और दिव्यांगता संवेदीकरण से संबंधित विषय शामिल थे। धन्यवाद ज्ञापन एवं ग्रुप फोटो के साथ बैठक का समापन हुआ।

About Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) The Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad was set up in 1983 as an autonomous and not-for-profit Institute with support of apex financial institutions - the IDBI Bank Ltd., IFCI Ltd., ICICI Bank Ltd. and State Bank of India (SBI). The Government of Gujarat pledged twenty-three acres of land on which stands the majestic and sprawling EDII Campus. EDII has been recognized as the CENTRE OF EXCELLENCE by the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, Govt. of India. The Institute has also been listed as the Institute of National Importance by the Education Department, Govt. of Gujarat. EDII operates across the country through its seven regional offices and PAN India project offices. It has international affiliates in Cambodia, Laos, Myanmar Vietnam, Uzbekistan and Rwanda. For more information visit: www.ediindia.org

About Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan), Ministry of Social Justice & Empowerment, Govt. of India Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan), under Ministry of Social Justice & Empowerment, GoI was set up in May 2012 with the aims to facilitate empowerment and inclusion of the persons with disabilities and acts as a nodal agency to look after all development agenda of Persons with Disabilities (Divyangjan).Empowerment of persons with disabilities is an inter-disciplinary process, covering various aspects namely, prevention, early detection, intervention, education, health, vocational training, rehabilitation and social integration. The vision of the Department is to build an inclusive society in which equal opportunities are provided for the growth and development of Persons with Disabilities so that they can lead productive, safe and dignified lives.